मैं जहाँ जहाँ देखूं तुम दीखते हो साईं भजन लिरिक्स

मैं जहाँ जहाँ देखूं,
तुम दीखते हो साईं,
मेरे आस पास दिल में,
तुम रहते हो साईं,
मैं जहाँ जहाँ देखूँ,
तुम दीखते हो साईं।**bd**।

तर्ज – होंठों से छू लो तुम।

घर बार तुम्हारा है,
संसार तुम्हारा है,
तुमने जो दिया है ये,
परिवार तुम्हारा है,
हर रिश्ते नाते में,
तुम बसते हो साईं,
मेरे आस पास दिल में,
तुम रहते हो साईं,
मैं जहाँ जहाँ देखूँ,
तुम दीखते हो साईं।**bd**।

मेरी छोटी सी कुटिया,
मेरा छोटा सा घर है,
इस घर के अंदर भी,
एक छोटा सा मंदिर है,
मैं बड़भागी इसमें,
तुम रहते हो साईं,
मेरे आस पास दिल में,
तुम रहते हो साईं,
मैं जहाँ जहाँ देखूँ,
तुम दीखते हो साईं।**bd**।

शिरडी का गाँव तो बस,
ये एक बहाना है,
वैसे सारी दुनिया,
तेरा ठोर ठिकाना है,
दु:ख दर्द सभी के तुम,
हरते हो साईं,

मेरे आस पास दिल में,
तुम रहते हो साईं,
मैं जहाँ जहाँ देखूँ,
तुम दीखते हो साईं।bd।

मैं जहाँ जहाँ देखूं,
तुम दीखते हो साईं,
मेरे आस पास दिल में,
तुम रहते हो साईं,
मैं जहाँ जहाँ देखूँ,
तुम दीखते हो साईं।bd।

Singer – Neha, Shilpa Soni

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com